Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नेपाल ने चीन सीमा पर स्थित छांगरू और तिंकर मार्ग किया दुरूस्त

लिपुलेख तक भारत द्वारा सड़क पहुंचाये जाने के बाद से ही छटपटाया हुआ है नेपाल

बौखलाहट

■नेपाल की बौखलाहट जारी

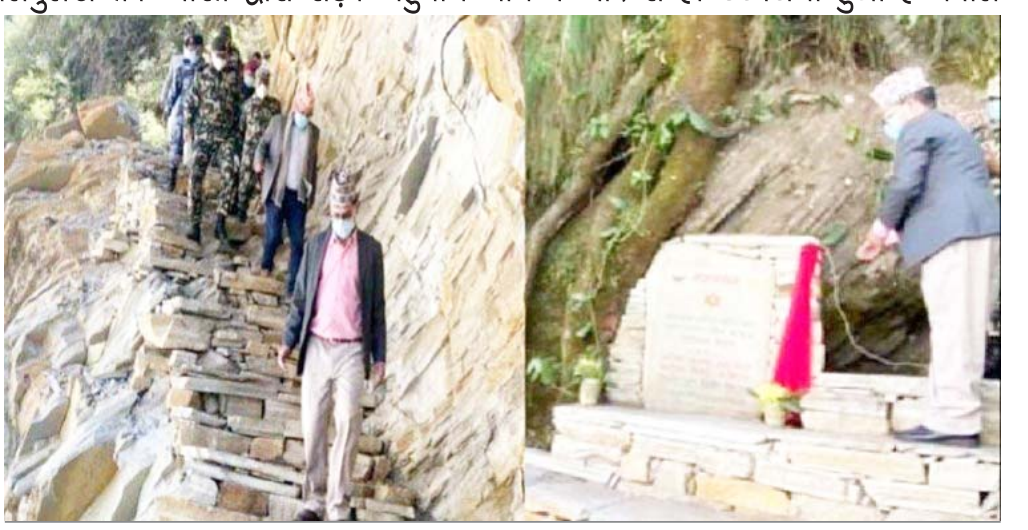

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ़। अभी तक जहां नेपाल के पास चीन सीमा तक तक चलने के लिए रास्ता तक नही था। वही नेपाल ने अपनी बौखलाहट के चलते छांगरू तिंकर तक पैदल मार्ग को दुरूस्त करने के दावा नेपाल द्वारा किया जा रहा है।

बता दें कि हाल ही मे भारत द्वारा लिपुलेख तक सडक पहुंचा दिये जाने के बाद से ही नेपाल खासा छटपटाया हुआ है। वही बीते दो दिन पूर्व नेपाल ने चीन सीमा पर स्थित छांगरू और तिकर के पास चटटान काटकर पैदल रास्ता तैयार कर लिया गया है। सुदूर पश्चिम के मुख्यमंत्री ने इस मार्ग का उद्घाटन कर दिया है। नेपाल ने जहां अपने नक्शे में हाल ही में कालापानी, लिपुलेख व नाभीढांग को शामिल करने के दावे करने के साथ सैन्य छावनी को खोलने के दावे भी किये। जानकारी के मुताबिक इससे पूर्व नेपाल के कई परिवार माइग्रेशन करने के लिए भारत के रास्तों से होकर गुजरा करते थे ।

अब उन्हें अस पैदल मार्ग से होकर गुजरने के लिए आसानी हो सकेगी। नेपाल ने पांच सौ पचास मीटर सडक काटकर यह पैदल मार्ग दुरूस्त करने का दावा किया है। वही इससे पूर्व हाल ही में बीते माह नेपाल ने सीमा पर छटवी बीओपी खोलकर अब छांगरू व तिंकर के पास इस पैदल मार्ग को दुरूस्त कर यह काम नेपाल सेना के हवाले कर दिया है।

नेपाल द्वारा सीमा पर बौखलाहट के तेवर आये दिन किये जा रहे है। नेपाल दावे कर रहा है सीमा पर अब नेपाल की पकड़ खासा मजबूत हो सकेगी। दूसरी ओर नेपाल के नागरिकों को आवागमन करने के लिए इस पैदल मार्ग के बन जाने से राहत मिलने के दावे नेपाल द्वारा किये जा रहे है। इस दौरान नेपाल के सुदुर पश्चिम के मुख्यमंत्री त्रिलोचन भट्ट व अन्य नेपाल सरकार के लोग मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

स्पेशल ई–लोक अदालत का आयोजन सात को

संवाददाता देहरादून। सचिव/सिविल जज (सी.डि.) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून नेहा कुशवाहा ने अवगत कराया है कि उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार जनपद के समस्त न्यायालयों विकासनगर ऋषिकेश/डोईवाला में लंबित मुकदमों का सुलह–समझौते के आधार पर निस्तारण किये जाने हेतु 07 नवम्बर को स्पेशल ई–लोक अदालत का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है, जिसमें 138 एनआई एक्ट के वादों को निस्तारित कर पक्षकारों को लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जो पक्षकार अपने वादों को स्पेशल ई–लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करवाना चाहते हैं, वह सम्बन्धित न्यायालय जहां उनका मुकदमा लम्बित है में ई–मेल के माध्यम से, अपने अधिवक्ता के माध्यम से या न्यायालय के ड्रोप बॉक्स में प्रार्थना पत्र डालकर अपने वाद स्पेशल ई–लोक अदालत के लिए नियत करवा सकते हैं।

पंजीकृत सांस्कृतिक दलों का पंजीकरण छः माह तक विस्तारित

संवाददाता देहरादून। सूचना मुख्यालय से प्राप्त निदेशों के अुपालन में अवगत कराना है कि माह सितम्बर वर्ष 2017 में 3 वर्षों के लिए प्रदेश के सांस्कृतिक दलों का पंजीकरण किया गया था। वैश्विक महामारी कोविड–19 के दृष्टिगत ऑडिशन कराया जाना सम्भव न होने के कारण सूचना, विभाग में गीत नाट्य योजना के अन्तर्गत पंजीकृत सांस्कृतिक दलों का पंजीकरण आगामी छः माह तक विस्तारित किया गया है।

नेस्ले इण्डिया ने हिंदी में लॉन्च किया आस्क नेस्ले

संवाददाता देहरादून। अभिभावकों तक बच्चों के पोषण संबंधी जानकारी पहुंचाने के लिए नेस्ले इण्डिया ने हिंदी मेंआस्क नेस्ले डॉट इन का लॉन्च किया है। यह सहज मोबाइल वेबसाईट संतुलित आहार और विज्ञान द्वारा प्रमाणित पोषण के बारे में रियल टाईम सलाह देती है। इस पोर्टल के माध्यम से 2 से 12 साल तक के बच्चों के माता–पिता भोजन एवं पोषण के उचित विकल्पों के बारे में जानकारी पा सकेंगे। आस्क नेस्ले डॉट इन अभिभावकों को ऐसे समय में बच्चों के पोषण संबंधी जानकारी उपलब्ध कराएगा, जब व्यक्तिगत रूप से विशेषज्ञों से सलाह लेना मुश्किल है। यह वेबसाईट बच्चों के लिए आकर्षक एवं सेहतमंद व्यंजनों की 2500 से अधिक रेसिपियां हिंदी में पेश करेगी, इन रेसिपियों से पके व्यंजन न केवल इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार होंगे बल्कि सीमित पेन्ट्री आइटमों से सेहतमंद आहार तैयार करने में भी मदद करेंगे।

रामलीला पर कोरोना संकट, नहीं होगा मंचन

संवाददाता देहरादून। श्री रामलीला कला समिति रामलीला बाजार के तत्वावधान में होने वाली रामलीला का मंचन कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण काल के चलते इस वर्ष 152वी रामलीला मंचित नहीं की जायेगी और अब अनलॉक पांच की प्रक्रिया भी आरंभ हो चुकी है तथा पूर्व में लॉकडाउन के चलते हुए किसी भी प्रकार की तैयारियां नहीं हो पाई है। यहां पटेलनगर स्थित एक होटल में पत्रकारों से रूबरू होते हुए समिति के अध्यक्ष अरविन्द गोयल ने कहा है कि समिति के मुख्य संरक्षक महंत देवेन्द्र दास के आशीर्वाद एवं दिशा निर्देशानुसार सदैव से ही प्रथम नवरात्र से लीला मंचन, श्रीराम विवाह शोभायात्रा, लंका दहन, भरत मिला, राजतिलक एवं रामलीला के साथ प्रत्येक वर्ष समापन होता था लेकिन इस वर्ष परिस्थितियां भी अलग है और कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण काल के चलते हुए और अनलॉक के कारण इस वर्ष रामलीला का मंचन नहीं किया जायेगा।

वॉलीबॉल खेल को प्रथम प्राथमिकता में रखने की सरकार से मांग

■ टीम देश की 5 टॉप टीमों में से एक है

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड को प्रथम गोल्ड मैडल दिलाने वाली उत्तराखंड सीनियर वॉलीबॉल टीम एवं सभी वर्गो में वॉलीबॉल में मैडल दिलाने वाली तथा राज्य के गांव गांव में खेले जाने वाले वॉलीबाल को ए कटेगरी में रखने के लिए उत्तराखंड वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष चौधरी अवधेश कुमार ने मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मांग की है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के अति लोकप्रिय वॉलीबॉल खेल को द्वितीय कटेगरी में रखा गया है सजबकि वॉलीबॉल खेल उत्तराखंड के सभी जिलों व गांवों में खेला जाता है जिसमें सभी वर्गो के खिलाडी प्रतिभाग करते हैं क्यूंकि इस खेल के लिए ज्यादा जगह की जरूरत नहीं पड़ती। राज्य की सीनियर वॉलीबॉल टीम ने 2002 में पहला गोल्ड मैडल सीनियर नेशनल वॉलीबाल चौंपियन शिप में, 2003, 2005, 2006, 2010 में कांस्य पदक एवं 2009, 2011, 2012 एवं 2013 में सिल्वर मैडल जीते। टीम देश की 5 टॉप टीमों में से एक है।

फेडरेशन कप वॉलीबॉल चौंपियनशिप 2016 में गोल्ड मैडल जीता। जूनियर नेशनल वॉलीबाल चौंपियनशिप जो की देहरादून में जनवरी 2014 में हुई थी उसमें कॉस्य पदक जीता। सब जूनियर नेशनल वॉलीबॉल चौंपियनशिप जो कि 2015 में तेलंगाना में हुई थी उसमें उत्तराखंड टीम ने सिल्वर मैडल जीता। उन्होंन कहा कि देहरादून के ही अंतराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाडी मेहर सिंह ने करीब 10 वर्ष तक भारतीय वॉलीबॉल टीम की कप्तानी की है जो कि हम सभी के लिए गर्व कि बात है और अरुण कुमार सूद, अंर्तराष्ट्रीय वॉलीबॉल खिलाडी, डोईवाला के हैं।

हाथरस के दुष्कर्म के दोषियों को दी जाये फांसी की सजा

जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया

संवाददाता

देहरादून। देशभर में लगातार बढ़ रही गैंगरेप व हत्याओं की घटनाओं पर रोक लगाये जाने एवं हाथरस दुष्कर्म के दोषियों को फांसी की सजा दिये जाने की मांग को लेकर बहुजन क्रांति मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए धरना दिया और जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया।

मोर्चा के कार्यकर्ता गांधी पार्क में इकटठा हुए और वहां पर देशभर में लगातार बढ़ रही गैंगरेप व हत्याओं की घटनाओं पर रोक लगाये जाने एवं हाथरस दुष्कर्म के दोषियों को फांसी की सजा दिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते हुए धरना दिया और जिला प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन प्रेषित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि लगातार देश भर में दुष्कर्म व उसके बाद हत्या किये जाने में बेतहाशा बढोत्तरी हो रही है और केन्द्र सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार को ठोस कदम उठाने की जरूरत है लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है और मामले को दबाने का प्रयास किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि हाथरस की स्वर्गीय मनीषा वाल्मीकि के परिजनों को एक करोड़ की आर्थिक सहायता व एक परिवार के सदस्य को नौकरी दी जाये और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी घोषणा की है लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। वक्ताओं ने कहा कि आज जिला मुख्यालय पर रैली व प्रदर्शन तथा 22 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश बंद एवं 30 अक्टूबर को देशव्यापी जेल भरो आंदोलन किया जोयगा ओर जरूरत पडी तो मोर्चा भारत बंद करने के लिए बाध्य हागा।

वक्ताओं ने कहा कि किसानों के विरोध में केन्द्र सरकार ने तीन कानून पारित किये है और इसके लिए संत कबीर नगर, प्रतापगढ, इटावा सहित अन्य जिलों में किसानों के ऊपर फर्जी मुकदमें दर्ज किये है और उन मुकदमों को तत्काल वापस लिया जाये। किसी भी दशा में निजीकरण को नहीं होने दिया जायेगा और इसके लिए देश भर में आंदोलन की शुरूआत की जायेगी।

गुलदार के हमले में मारी गई बसन्ती देवी के परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

संवाददाता पिथौरागढ़। बीते बुधवार की सांय पांच बजे गुलदार के हमले में मारी गई जिला मुख्यालय के पपदेव गांव निवासी बसंती देवी उम्र अडतीस साल के मरने के बाद उनके परिवार के उपर खासा दुखों का पहाड़ टूट पडा है। बता दें कि मृतका के तीन बच्चे है। मृतका के परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है। दोनों पति पतनि मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते थे। मृतका बसंती देवी के पति धनी राम गांव में ही मजदूरी का काम करते है। मृतका बसंती देवी घर में ही गाय पालकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति का भरण पोषण करती थी। बंसंती देवी अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गई है। अब बच्चों के सिर से मां का साया उठने के बाद बच्चों का रो रोकर बरा हाल बना हुआ है। गुलदार के हमले में मारी गई बंसती देवी की मौके पर हुई मौत के बाद वन महकमें के अधिकारियों का गांव के ग्रमीणों ने घेराव कर पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा व उनके परिवार के लड़के को नौकरी दिलाये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी किया।